Vol. 3 | Issue : 05
मंगलवार, 30 जुलाई 2024
www.shooliniuniversity.com
फॉलॉ करें

नए विचारों के इनक्यूबेटर का काम करती हैं शूलिनी की क्लासिस
पेज -03

शूलिनी यूनिवर्सिटी पत्रिका

शूलिनी से पहले और अब...फर्क ज़मीन-आसमान का
पेज -03

स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया की प्रस्तुति

एडमिशन्स हेल्पलाइन

वर्षा चौहान 8352951037
कुलवंत कुमार 7807899750
रतिका कौंडल 7876905670

शिमला विनम्रे कौशल 6239614060

हमीरपुर मुकेश कौशल 8219898155

मंडी लीला धर 7018994792 | दुकान नंबर 3,आर-संस फर्नीचर के विपरीत, अस्पताल रोड

जम्मू विशाखा पंडिता 9906699495 | ऑफिस नं 77 पहली मंजिल एसपी स्मार्ट स्कूल के पास, जेके बैंक एटीएम के ऊपर, कच्ची छावनी

घुमारविन मुकेश कौशल 8219898155 | चौहान परिसर, अपॉजिट सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, ओल्ड बस स्टैंड, घुमारविन

बिलासपुर काजल पठानिया 7807899731 | दुकान नंबर 16, द व्यास को.ओ सोसाइटी कॉप्लेक्स, अपॉजिट: बस स्टैंड

वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रेरित करने के लिए इंस्पायर शिविर का आयोजन

अंशुल चौहान

शूलिनी विश्वविद्यालय में आयोजित और भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा प्रायोजित 37वें इंस्पायर विज्ञान शिविर ने राज्य भर के विभिन्न स्कूलों के 150 से अधिक टॉपर्स में विज्ञान के प्रति जुनून जगाया। शिविर का उद्देश्य कक्षा 11 और 12 के छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा को प्रेरित और पोषित करना था।

इंस्पायर, डीएसटी की एक प्रमुख योजना है, जो युवा प्रतिभाओं को विज्ञान के प्रति आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शीर्ष एक प्रतिशत छात्रों को लक्षित करती है और उन्हें ग्यारहवीं और उससे आगे की कक्षाओं में विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

शिविर के दौरान, पीयू के पूर्व कुलपति प्रोफेसर आर.सी. सोबती द्वारा एक भौतिकी प्रश्नोत्तरी और जैविक विज्ञान में कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। इस दौरान वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रोफेसर सविता भटनागर ने 'मैजिक स्क्वेयर' पर एक कार्यशाला का नेतृत्व किया। डॉ. परवीन कुमार ने रासायनिक विज्ञान में व्यावहारिक कक्षाओं के साथ-साथ ओपन एयर थिएटर (ओएटी) में एक सांस्कृतिक रात्रि का नेतृत्व किया, जिसमें छात्रों ने पारंपरिक लोक नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

डॉ. आशू खोसला द्वारा एक आलोचनात्मक सोच अभ्यास आयोजित किया गया और इसमें डॉ. महावीर सिंह की 'तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए चुंबकीय नैनोकणों' और

प्रोफेसर के.के. की बातचीत शामिल थी। जटोली मंदिर की शैक्षिक यात्रा, एक प्रतिस्पर्धी रसायन विज्ञान प्रश्नोत्तरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सेमिनार और एक वृत्तचित्र ने बौद्धिक और आनंददायक गतिविधियों का संतुलन प्रदान किया।

अंतिम दिन, प्रतिभागियों ने फीडबैक दिया, डॉ. रितेश बनर्जी के नेतृत्व में शूलिनी विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर एक मौखिक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया और डीएसटी इंस्पायर आकाओं के साथ जुड़े। 'जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ' पर डॉ. आनंद नारायण सिंह की प्रस्तुति अकादमिक आकर्षण थी। शिविर का समापन समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें प्रोफेसर प्रेम कुमार खोसला का समापन भाषण शामिल था। प्रतिभावान छात्रों को भागीदारी और उपलब्धियों के लिए छात्रवृत्ति और डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर सुनील पुरी ने छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, 'आप देश का भविष्य हैं। प्रश्न पूछें और जितना संभव हो उतना ज्ञान प्राप्त करें।' इटरनल यूनिवर्सिटी, बरू साहिब के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर अमरीक सिंह अहलूवालिया ने इस अवसर के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'यह एक दुर्लभ अवसर है जो हर किसी के लिए उपलब्ध नहीं है। आपने स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अब आपके पास नवाचार में आगे बढ़ने का अवसर है।'

शूलिनी विश्वविद्यालय में 37वें इंस्पायर विज्ञान शिविर ने छात्रों के वैज्ञानिक ज्ञान और कौशल में सुधार किया, साथ ही समुदाय और सहयोग की भावना भी पैदा की। प्रोफेसर खोसला ने कहा कि शिविर ने सभी प्रतिभागियों को एक आकर्षक और प्रेरक अनुभव प्रदान किया, जिससे उन्हें अपने वैज्ञानिक सपनों को आगे बढ़ाने और भारतीय विज्ञान के भविष्य को आकार देने के लिए प्रेरणा मिली।

एएआई पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

तकनीकी सत्र

साहिल ठाकुर

'एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (एएआई) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया भर से विभिन्न प्रकार के प्रतिष्ठित वक्ता और विशेषज्ञ एक साथ आए।

प्रतिनिधियों ने नवाचार और सहयोग के माहौल को बढ़ावा देने, विभिन्न क्षेत्रों में एआई की परिवर्तनकारी शक्ति में अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। कार्यक्रम का आयोजन योगानंद स्कूल ऑफ एआई, कंप्यूटर और डेटा साइंस द्वारा किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता शूलिनी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता शूलिनी विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग संकाय के डीन और सलाहकार प्रोफेसर वीरेंद्र रिहानी ने, संस्थापक चांसलर प्रोफेसर पीके खोसला, प्रो चांसलर विशाल आनंद और कुलपति प्रोफेसर अतुल खोसला के साथ की।

सम्मेलन में साइबर सुरक्षा और संरक्षा, शहरी एआई और सतत शहर, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए एआई की शक्ति, एआई-संचालित खोजें और हेल्थकेयर, विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य में एआई के अनुप्रयोग जैसे विषयों को शामिल करते हुए पांच आकर्षक मुख्य सत्र आयोजित किए गए।

साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर

APPLIED ARTIFICIAL INTELLIGENCE International Conference 2024

पहले दिन की शुरुआत जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की प्रोफेसर मंजू खारी द्वारा 'साइबर सुरक्षा और सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता' विषय पर भाषण के साथ हुई। उन्होंने सोशल मीडिया और एआई के संदर्भ में साइबर सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया और साइबर अपराध से बचाव के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए .

एआई के महत्व पर चर्चा की

यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राहुल कटार्या द्वारा 'ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए एआई की शक्ति को अनलॉक करना' विषय पर मुख्य भाषण के साथ हुई। उन्होंने स्वास्थ्य देखभाल में एआई के महत्व पर चर्चा की। दो दिनों तक कार्यक्रम तकनीकी सत्रों और प्रोफेसर राजेश कुमार के मुख्य भाषण के साथ जारी रहा, जिन्होंने विभिन्न अनुप्रयोगों और खोजों के लिए एआई के उपयोग में अपनी टीम की उपलब्धियों को साझा किया। एक अन्य तकनीकी सत्र ने दिन की घटनाओं का समापन किया।

चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला

इसके बाद, शिव नादर इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस के एसोसिएट डीन प्रोफेसर बालामुरुगन बालुसामी ने 'टिकाऊ शहरों, गांवों और समाज के लिए शहरी एआई और सूचना विज्ञान' पर चर्चा की। उन्होंने शहरों के उदाहरणों का उपयोग करते हुए एआई-संचालित शहरी परिवर्तन में चुनौतियों और अवसरों की जांच की दुबई और सिंगापुर, और स्वास्थ्य सेवा और स्मार्ट सिटी सुविधाओं में एआई की भूमिका पर प्रकाश डाला।

दूसरे दिन की शुरुआत दिल्ली टेक्नोलॉजिकल : अंतिम दिन आईआईटी दिल्ली से नीलाद्रि चटर्जी ने 'हेल्थकेयर में एआई : मानसिक स्वास्थ्य पर केस स्टडी' विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्लीप एपनिया और अवसाद जैसे मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के समाधान में गहन शिक्षा की भूमिका पर चर्चा की, और अवसाद के बीच अंतर करने के महत्व पर जोर दिया।

समापन समारोह के दौरान चांसलर प्रोफेसर पीके खोसला ने प्रतिभागियों को बधाई दी और आधुनिक युग में एआई के महत्व पर प्रकाश डाला। जनरल चेयर प्रोफेसर रविंदर हेगड़ी ने समापन भाषण दिया और प्रमाणपत्र वितरित करने में मदद की।

एकेडमिक कैलेंडर में बदलाव से परेशान न हों नए छात्र

पवन कल्याण

नीट और सीयूईटी सहित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं के परिणामों और परामर्श प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण देरी के कारण नव प्रवेशित छात्रों के लिए शैक्षणिक कैलेंडर को पुनर्निर्धारित किया गया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इन कारकों के कारण विश्वविद्यालयों से पंजीकरण और कक्षाएं शुरू करने को स्थगित करने का आग्रह किया था। नए शेड्यूल के अनुसार, नए छात्रों के लिए पंजीकरण और प्रवेश अब 20 अगस्त से शुरू होगा। कक्षाएं 23 अगस्त से आयोजित की जाएंगी।

स्थगन ने उन छात्रों के बीच चिंता पैदा कर दी थी जिन्होंने मूल शैक्षणिक कैलेंडर के आधार पर पहले से ही यात्रा की व्यवस्था कर ली थी। जवाब में, विश्वविद्यालय ने एक सहायक समाधान की पेशकश की है। विश्वविद्यालय ने घोषणा की है कि जिन लोगों ने पहले से ही परिसर में टिकट बुक कर लिया है, उनका स्वागत किया जाएगा और उनके लिए छात्रावास में रहने की व्यवस्था की जाएगी, इसके लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

मौजूदा छात्रों के लिए नया शैक्षणिक सत्र निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 अगस्त से शुरू होगा और कक्षाएं 5 अगस्त से शुरू होंगी।

हरे रंग में नहाया हुआ... शूलिनी विश्वविद्यालय परिसर, जो पूरे वर्ष हरा-भरा रहता है, मानसून के दौरान मंत्रमुग्ध कर देने वाला जीवंत हरा रंग प्राप्त कर लेता है। यहां परिसर का एक विहंगम दृश्य है जो गर्मी की छुट्टियों के बाद नए छात्रों के साथ-साथ पहले से नामांकित छात्रों की प्रतीक्षा कर रहा है। **फोटो : प्रेम भट्टी**

समर पेटेंट स्कूल के जरिए स्टूडेंट्स को मिले बेहतरीन मौके

पवन कल्याण

शूलिनी विश्वविद्यालय का समर पेटेंट स्कूल इसमें भाग लेने वाले स्कूली छात्रों के लिए शिक्षा और नवाचार के क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी अध्याय साबित हुआ। कुलपति प्रोफेसर अतुल खोसला द्वारा परिकल्पित अग्रणी पहल ने स्कूली छात्रों को नए विचारों के साथ सशक्त बनाया, जिससे उन्हें सपनों को वास्तविकता में बदलने में मदद मिली। 2021 में शुरुआत के बाद से, कार्यक्रम में छह सफल समूह देखे गए और हाल ही में इसका सातवां समूह संपन्न हुआ, जिसमें पूरे भारत से 200 से अधिक छात्र शामिल हुए। समर पेटेंट स्कूल टीम आइडियाज़ डैट मैटर और बौद्धिक संपदा अधिकार कार्यालय के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। कार्यक्रम ने एक पोषणकारी वातावरण प्रदान किया जहां छात्रों ने अनंत संभावनाओं की जांच की, चुनौतियों पर काबू पाया और पेटेंट दाखिल करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित किया। आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और डेटा विश्लेषण को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया, इसने छात्रों को एक नवाचार-संचालित दुनिया के लिए तैयार किया।

छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों, प्रोफेसरों और तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया, जिन्होंने उनकी बौद्धिक संपदा पर स्पष्टता सुनिश्चित करते हुए, उनके विचारों, लेखों और डिजाइनों को परिष्कृत करने में मदद की। कार्यक्रम ने छात्रों को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिन्हें बाद में चर्चा और मार्गदर्शन के माध्यम से निखारा गया। यह एक व्यापक कार्यक्रम था जो 10 से 14 जून और 17 से 21 जून, 2024 तक निर्धारित दो समूहों में फैला था। इस व्यापक अनुभव ने पूरे गर्मियों में परिसर में युवा शोधकर्ताओं के एक विविध समूह को एक साथ लाया। कार्यक्रम ने 55 बौद्धिक संपदा (आईपी) दाखिल करने का एक उल्लेखनीय मील का पत्थर हासिल किया, जो शूलिनी समुदाय के सामूहिक समर्पण, टीम वर्क और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर चांसलर प्रोफेसर पीके खोसला ने कहा, समर पेटेंट स्कूल ने न केवल बौद्धिक संपदा के बारे में ज्ञान प्रदान किया, बल्कि छात्रों को नए युग की प्रगति से भी अवगत कराया और उन्हें पेटेंट दाखिल करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया। छात्रों को अनुदान प्राप्त हुआ और उन्होंने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन डिएगो जैसे प्रसिद्ध संस्थानों में प्रवेश प्राप्त किया।

वाहनों की चोरी को कैसे रोका जाए और नशे में गाड़ी चलाने वालों को कैसे रोकें, शूलिनी के शोधकर्ता इस पर शोध कर रहे हैं

ड्रंक एंड ड्राइविंग अब और नहीं...

शूलिनी से विचार

अहाना नाथ

सड़कों पर मोटर वाहनों की संख्या में तेज वृद्धि के साथ, कार चोरी और नशे में गाड़ी चलाने के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के मामले पिछले कुछ वर्षों में बढ़ रहे हैं, जिससे कई लोग हताहत हुए हैं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल शराब के सेवन के कारण लगभग 16,300 सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और हर 14 मिनट में एक वाहन चोरी हो जाता है।

वाहनों की चोरी को कैसे रोका जाए और नशे में गाड़ी चलाने वालों को कैसे रोकें, शूलिनी के शोधकर्ता इस पर शोध कर रहे हैं और हाल ही में सरकार की पेटेंट एजेंसी द्वारा उन्हें पेटेंट प्रदान किया गया है।

शूलिनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ता प्रो. बृज भूषण शर्मा ने वाहन सुरक्षा बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं से निपटने के लिए दो महत्वपूर्ण नवाचारों पर काम किया। उनके दो पेटेंट नशे में गाड़ी चलाने को रोकने के लिए उन्नत वाहन चोरी-रोधी पहचान प्रणाली और सांस विश्लेषक पर आधारित हैं। शिमला के दो एमटेक छात्र हर्षित भट्ट

- हर साल 16,300 सड़क दुर्घटनाएं नशे में गाड़ी चलाने के कारण होती हैं
- भारत में हर 14 मिनट में एक वाहन चोरी की सूचना मिलती है
- नशे में धुत्त ड्राइवरों का पता लगाने के बाद सेंसर जोर से बीप बजाएंगे
- चोरी हुए वाहनों की पहचान करने के लिए ट्रांसमीटर और रिसीवर

और अफगानिस्तान के वस्सी रसूली ने उनके साथ चोरी-रोधी प्रणाली पर काम किया, जबकि ड्रंक एंड ड्राइव प्रोजेक्ट उनके एकल आविष्कारों में से एक है।

एंटी ड्रंक एंड ड्राइव सिस्टम को आर्दुइनो Uno R3 माइक्रोकंट्रोलर का उपयोग करके विकसित किया गया है जिसका उद्देश्य दुर्घटनाओं को कम करना और नशे में धुत्त ड्राइवर की उपस्थिति के बारे में दूसरों को सचेत करके जीवन बचाना है। सिस्टम का मूल एमक्यू-3 गैस सेंसर मॉड्यूल है, जो अल्कोहल के प्रति अपनी उच्च संवेदनशीलता के लिए जाना जाता है। जब सेंसर एक निश्चित सीमा (1000 पीपीएम) से अधिक अल्कोहल के स्तर का पता लगाता है, तो यह आर्दुइनो माइक्रोकंट्रोलर को एक संकेत भेजता है। आर्दुइनो फिर इस सिग्नल को संसाधित करता है और वाहन पर एलईडी लाइट सक्रिय करता है, जिससे अन्य ड्राइवरों और पैदल चलने वालों को संकेत मिलता है कि ड्राइवर शराब के नशे में है। यह सुविधा समय पर पता लगाना सुनिश्चित करती है और दूसरों को स्पष्ट दृश्य संकेतक प्रदान करती है, जिससे संभावित रूप से दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

सोलन पुलिस ने शूलिनी यूनिवर्सिटी के सहयोग से हाल ही में नशे में गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया। सोलन बाईपास के पास आयोजित इस पहल में नशे में धुत्त ड्राइवरों की पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए प्रोफेसर बृज भूषण शर्मा द्वारा डिजाइन किए गए श्वास विश्लेषक का उपयोग किया गया। महज दो घंटे के भीतर नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में 15 ड्राइवरों को पकड़ा गया। अपराधियों पर जुर्माना लगाया गया और उन्हें नशे में गाड़ी चलाने के खतरों के बारे में जागरूक किया गया।

इस प्रणाली का एक प्रमुख लाभ इसकी सामर्थ्य और पहुंच है। आर्दुइनो यूएनओ आर3 और एमक्यू-3 सेंसर जैसे लागत प्रभावी घटकों के साथ, सिस्टम किफायती और लागू करने में आसान दोनों है। यह इसे एक व्यावहारिक समाधान बनाता है जिसे व्यापक वाहन संशोधनों या उच्च लागत की आवश्यकता के बिना व्यापक रूप से अपनाया जा सकता है। इस प्रणाली के लागू होने से दुनिया भर में सड़क सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। यदि इसे व्यापक रूप से अपनाया जाए, तो नशे में गाड़ी चलाने की घटनाओं और संबंधित दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

प्रोफेसर शर्मा की अन्य खोज - चोरी-रोधी प्रणाली - वाहन चोरी की बढ़ती चिंता को संबोधित करती है। पारंपरिक सुरक्षा उपाय अक्सर परिष्कृत चोरी तकनीकों के मुकाबले कम पड़ जाते हैं, यह सॉफ्टवेयर सिस्टम वाहनों को सुरक्षित रखने के लिए उन्नत, विश्वसनीय और बजट-अनुकूल तकनीक प्रदान करता है। कई वाहन मालिक अपनी कारों को अपराधियों के लिए आसान निशाना बनाकर आवश्यक सावधानियों की उपेक्षा करते हैं। यह नई प्रणाली स्थापित करने में आसान, किफायती और कॉम्पैक्ट सुरक्षा समाधान प्रदान करके अंतर को पाटने के लिए डिज़ाइन की गई है। यह एक ट्रांसमीटर और रिसीवर सेटअप का उपयोग करके संचालित होता है। वाहन में स्थापित ट्रांसमीटर इंजन नंबर, चेसिस नंबर और नंबर प्लेट जैसी अनूठी जानकारी संग्रहीत करता है। डेटा रिसीवर को प्रेषित किया जाता है जिसे ट्रैफिक लाइट या पुलिस चौकियों जैसे रणनीतिक स्थानों पर रखा जा सकता है।

चोरी-रोधी प्रणाली और श्वास विश्लेषक दोनों पर शोध वाहन संबंधी अपराधों से निपटने और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

कुलपति प्रोफेसर अतुल खोसला ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने और चोरी-रोधी तकनीक पर शोध 'अभिनव प्रौद्योगिकी के माध्यम से सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है'।

Shoolini University
Online & Distance Education Degrees
UGC Entitled
जीतो CAREER की RACE

PAY AFTER PLACEMENT
ONLINE DEGREES
FROM
INDIA'S NO.1 PRIVATE UNIVERSITY
THE World University Rankings 2024

Online Degree Programme 2024
- MBA
- BBA, BCA
- BA Journalism & Mass Communication
- MA English

APPLY TODAY ON www.shoolini.online
ADMISSION HELPLINE 780-777-5309 780-789-9745
UGC ENTITLED DEGREES

सहयोग को प्रोत्साहित करें, उपलब्धियों को पहचानें और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करें

'छात्रों को अपनी शिक्षा के लिए सक्षम बनाएं'

इंटरव्यू

साक्षी कुमारी

मिस्टर रितेश कपूर, डायरेक्टर प्रिंसिपल, ए.एस.एन. हायर सेकेंडरी स्कूल, चन्नी हिम्मत, जम्मू और जिसके साथ ही मुख्य संपादक, द एक्सेल एक्सप्रेस अखबार, जम्मू और भारतीय समाचार पत्र संपादक संघ के अध्यक्ष हैं। हमने उनसे शिक्षा प्रणाली पर बात की। यहां इंटरव्यू के कुछ अंश हैं :

Q. आप अपनी शैक्षणिक यात्रा और स्कूल के बारे में बताएं?

मेरी यात्रा काफी रोचक रही है क्योंकि मैं मेडिकल स्ट्रीम का छात्र था और 12वीं कक्षा में गणित का अतिरिक्त विषय था। मैंने 2001 में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग की। एक साल तक मैंने भारतीय एयरलाइंस में ग्राउंड इंजीनियर के रूप में काम किया, लेकिन फैमिली बिज़नेस के कारण जम्मू लौट आया और फिर हमारे स्कूल की एक शाखा में प्रशासक के रूप में शामिल हो गया, जिसे मेरे पिता ने 1969 में शुरू किया था। बाद में मैंने फिजिक्स में मास्टर्स और पत्रकारिता में डिप्लोमा किया। 2008 में, मैंने "द एक्सेल एक्सप्रेस" नामक एक दैनिक अंग्रेजी अखबार शुरू किया और 2022 में एक लाइब्रेरी के साथ एक कॉफी शॉप भी शुरू की। मेरी किस्मत ने विभिन्न क्षेत्रों में स्विच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमारा स्कूल 1969 में स्थापित हुआ था, जिसे जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा स्थायी रूप से मान्यता प्राप्त है और यह जेके बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन से एफिलिएट है। स्कूल को 2003 में हायर सेकेंडरी लेवल तक अपग्रेड किया गया था और यह छात्रों को सभी स्ट्रीम (साइंस,कॉमर्स और आर्ट्स) ऑफर करते है।

Q. आप छात्रों और स्टाफ के लिए किस तरीके से सपोर्टिंग लर्निंग एनवायरनमेंटबनाते है?

सपोर्टिंग लर्निंग एनवायरनमेंट बनाने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम एक विकासशील मानसिकता को प्रोत्साहित करें, समावेशिता और विविधता को बढ़ावा दें, खुली बातचीत को बढ़ावा दें, मेंटल हेल्थ रिसोर्सेज प्रदान करें, सहयोग को प्रोत्साहित करें, उपलब्धियों को पहचानें और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान करें। इन तरीके से सभी मूल्यवान, समर्थित और सफल महसूस करेंगे।

Q. आपके अनुसार, छात्रों को स्कूलों में किस एक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, लेकिन वे वास्तव में उसकी महत्ता को नहीं समझते?

छात्रों को स्कूलों में लाइफ स्किल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, उनमें टाइम मैनेजमेंट और संगठन, कम्युनिकेशन और टीमवर्क, क्रिटिकल थिंकिंग औरप्रॉब्लम सॉल्विंग, इमोशनल इंटेलिजेंस और सहानुभूति,आत्म-जागरूकता और रिफ्लेक्शन शामिल हैं। इन स्किल पर ध्यान केंद्रित करने के कुछ तरीके हैं: अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों में भाग लेना, वालंटियर और सामुदायिक सेवा, सहयोगी परियोजनाएँ और ग्रुप वर्क, माइंडफुलनेस और आत्मचिंतन प्रतिक्रिया और परामर्श की तलाश करना, और चुनौतियों को अपनाना और कंफर्ट जोन से बाहर निकलना।

01 | मेरे अनुसार, एक पूरी तरह से शिक्षित भारत के लिए कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों में क्वालिटी एजुकेशन सभी तक समान रूप से पहुंचना, विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में

02 | ईमानदारी से कहूं तो भारत को अभी भी एक महान शिक्षा प्रणाली वाले देश के रूप में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे उच्च ड्रॉप-आउट दर

Q. आपके अनुसार एक पूरी तरह से शिक्षित भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

मेरे अनुसार, एक पूरी तरह से शिक्षित भारत के लिए कुछ सबसे बड़ी चुनौतियों में क्वालिटी एजुकेशन सभी तक समान रूप से पहुंचना, विशेष रूप से ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, और इसे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए सुलभ बनाना शामिल है। बेहतर बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम विकास के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना महत्वपूर्ण है। लिंग, जाति और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करना, मार्जनलाइज़ ग्रुप में हाई ड्रॉप-आउट दर को कम करना और योग्य शिक्षकों की कमी को दूर करना आवश्यक कदम हैं। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक मानसिकता की बाधाओं को चुनौती देना जो शिक्षा को प्राथमिकता नहीं देती और स्कूलों और सुविधाओं जैसे पर्याप्त बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करना प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है।

Q. क्या आप भारत की वर्तमान शिक्षा प्रणाली से संतुष्ट हैं?

ईमानदारी से कहूं तो भारत को अभी भी एक महान शिक्षा प्रणाली वाले देश के रूप में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे उच्च ड्रॉप-आउट दर, अपर्याप्त शिक्षक प्रशिक्षण और कमी, पुराना पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियाँ, और रटने की बजाय क्रिटिकल थिंकिंग और प्रॉब्लम सॉल्विंग पर जोर देना। एक अधिक व्यापक और समावेशी शिक्षा प्रणाली प्राप्त करने के लिए, भारत को इन समस्याएँ पर ध्यान देना होगा जिस से क्वालिटी एजुकेशन सभी तक पहुंच सके, आधुनिक और प्रासंगिक पाठ्यक्रम को पेश करने और क्रिटिकल थिंकिंग, रचनात्मकता और कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के लिए इन चुनौतियों को संबोधित करने की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों को स्वीकार करके और संबोधित करके, भारत 21वीं सदी में सफलता के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए एक अधिक प्रभावी और समावेशी शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर सकता है।

Q. क्या आपको लगता है कि सरकार को सार्वजनिक स्कूलों पर नियंत्रण रखना चाहिए?

सरकार को यह सुनिश्चित करने में भूमिका निभानी चाहिए कि सार्वजनिक स्कूल अच्छा शिक्षा प्रदान करें, लेकिन अत्यधिक नियंत्रण इनोवेशन और ऑटोनॉमी को रोकता है। निगरानी और ऑटोनॉमी के बीच संतुलन आवश्यक है। सरकार स्टैंडर्ड और जवाबदेही को निर्धारित कर सकती है ताकि फंडिंग और रिसोर्सेज प्रदान कर सके। हालांकि, अत्यधिक नियंत्रण से रचनात्मकता और इनोवेशन का दमन और स्थानीय आवश्यकताओं पर कम ध्यान दिया जा सकता है।

Q. भारत में स्कूल शिक्षा के बारे में कोई अन्य विचार आप रखना चाहेंगे?

भारत में स्कूल शिक्षा में सुधार के लिए कई प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करना आवश्यक है। विशेष आवश्यकता शिक्षा के लिए संसाधनों की कमी है, समावेशी शिक्षा के लिए अधिक समर्थन और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को उजागर करते हुए। उच्च-दांव परीक्षणों पर ध्यान केंद्रित करने से तनाव हो सकता है और सीखने का दायरा केवल परीक्षण की तैयारी तक सीमित हो सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना और निरंतर समर्थन और संसाधन प्रदान करना प्रभावी शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, छात्रों को अपनी सीखने की जिम्मेदारी लेने और शैक्षिक निर्णयों में भाग लेने के लिए सशक्त बनाना उनके जुड़ाव और एजेंसी को काफी बढ़ा सकता है। इन क्षेत्रों को संबोधित करना एक अधिक व्यापक और समावेशी शिक्षा प्रणाली बनाने में मदद कर सकता है, जो छात्रों को 21वीं सदी में सफलता के लिए तैयार करता है।

Q. ऑनलाइन शिक्षा के भविष्य पर आपका क्या दृष्टिकोण है?

ऑनलाइन शिक्षा ने सीखने के तरीके में क्रांति ला दी है और दुनिया भर के लोगों के लिए नए अवसर खोले हैं। इसने सीखने के अनुभवों को वैयक्तिकृत करने के लिए पहुंच और लचीलापन बढ़ाया है। इस अवधारणा ने डिजिटल लिटरसी और ऑनलाइन कौशल पर अधिक जोर दिया है।

पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों में ऑनलाइन शिक्षा और भी अधिक एकीकृत होने की संभावना है, एक हाइब्रिड मॉडल की पेशकश की जाएगी जो दोनों दुनियाओं का सर्वश्रेष्ठ संयोजन करेगी। इस बदलाव में लागत और बाधाओं को कम करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने और छात्र जुड़ाव और परिणामों को बढ़ाने की क्षमता है। कुल मिलाकर, ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य आशाजनक दिखता है, ज्ञान और कौशल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने और कल की कार्यबल को आकार देने की क्षमता है।

एआई-संचालन की उपयोगिता पर मिला बल

एचआर कॉन्क्लेव

एसएनएल टीम

थूलिनी विश्वविद्यालय में ₹एचआर उत्कृष्टता के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति का दोहन₹ शीर्षक से दो दिवसीय एचआर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मानव संसाधन परिदृश्य पर विशेष रूप से भर्ती, प्रतिभा प्रबंधन, कर्मचारी जुड़ाव और संगठनात्मक दक्षता में एआई के परिवर्तनकारी प्रभाव पर केंद्रित था। कॉन्क्लेव में उद्योग जगत के नेतृत्व कर्ता और एआई विशेषज्ञों के विचारोत्तेजक भाषण शामिल हुए, जिन्होंने दो आकर्षक पैनल चर्चाओं के लिए मंच तैयार किया। अपने उद्घाटन भाषण में, शूलिनी विश्वविद्यालय के चांसलर प्रो. पीके खोसला ने आधुनिक समाज में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और सामाजिक सुधार के लिए संसाधन उपयोग को बढ़ाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डाला। शूलिनी विश्वविद्यालय में प्रबंधन विज्ञान संकाय के अध्यक्ष और डीन प्रोफेसर मुनीश सहरावत द्वारा संचालित पहली पैनल चर्चा में टाटा से आशीषा भाटिया और एरियल टेलीकॉम सॉल्यूशंस से वसुधा महाजन शामिल थीं। चर्चा में इस बात पर जोर दिया गया कि एआई को मानव प्रयासों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, न कि प्रतिस्थापित करने के लिए। काम के भविष्य और एआई और मनुष्यों के बीच सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया।

प्रोफेसर प्रदीप शर्मा द्वारा संचालित दूसरी पैनल चर्चा, कार्यबल को सशक्त बनाने और बनाए रखने पर केंद्रित थी। पैनलिस्टों में सैटिन क्रेडिटकेयर नेटवर्क लिमिटेड के एचआर हेड हर्षित मालवीय; फिटेलो में सीएचआरओ, जितेंद्र पनिहार; निखिल मल्लाह, सीएचआरओ, सहयोग मल्टीस्टेट कोऑपरेटिव लिमिटेड; और भारती एयरटेल फाउंडेशन में एचआर प्रमुख रिखी रेग्मी। उन्होंने भावनात्मक जुड़ाव के महत्व और कर्मचारियों के लिए वांछनीय कार्य वातावरण बनाने पर चर्चा की। उपस्थित लोगों ने स्वचालित भर्ती से लेकर प्रदर्शन विश्लेषण तक, मानव संसाधन प्रक्रियाओं में एआई उपकरणों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हुए अनुभवात्मक कार्यशालाओं में भी भाग लिया। इन सत्रों ने मानव संसाधन में एआई एकीकरण में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। नेटवर्किंग के अवसर प्रचुर थे, जिससे प्रतिभागियों को साथियों, उद्योग विशेषज्ञों और विचारशील नेताओं से जुड़ने का मौका मिला। शूलिनी विश्वविद्यालय में इनोवेशन एंड मार्केटिंग के सह-संस्थापक और अध्यक्ष श्री आशीष खोसला ने आने वाले दशकों में देश के लिए महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभ की भविष्यवाणी करते हुए एक अग्रणी कार्यबल प्रदाता के रूप में भारत की क्षमता पर जोर दिया। व्यवसाय की सफलता में कोचिंग और संवेदना की शक्ति पर आईसीएफ कोच और शूलिनी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पायल खन्ना का एक प्रेरणादायक सत्र विशेष रूप से स्टार्टअप-संचालित नई पीढ़ी के साथ अच्छी तरह से गूंज उठा।

यह कार्यक्रम मानव संसाधन के भविष्य के दृष्टिकोण के साथ संपन्न हुआ, जहां एआई और मानव प्रतिभा अधिक प्रभावी, समावेशी और गतिशील कार्यस्थल बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं। कॉन्क्लेव की अंतर्दृष्टि और चर्चा से उद्योगों में मानव संसाधन प्रथाओं में महत्वपूर्ण प्रगति होने की उम्मीद है।

स्मार्ट एचआर और एआई में पुस्तक का विमोचन : एचआर कॉन्क्लेव में एचआर नेतृत्व कर्ता की परिवर्तनकारी अंतर्दृष्टि वाली एक पुस्तक 'स्मार्ट एचआर विद एआई : लीवरेजिंग एआई फॉर वर्कफोर्स एक्सीलेंस' लॉन्च की गई। शूलिनी विश्वविद्यालय में इनोवेशन और मार्केटिंग के सह-संस्थापक और अध्यक्ष श्री आशीष खोसला और शूलिनी विश्वविद्यालय में प्रबंधन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पूजा वर्मा द्वारा संपादित, पुस्तक को ज़ेडसेपियंस सॉफ्टेक में ग्राफिक डिजाइनर सुश्री अदिति शर्मा द्वारा डिजाइन किया गया है। यह पुस्तक शूलिनी विश्वविद्यालय और एसआईएलबी के मानव संसाधन पेशेवरों और संकाय सदस्यों के योगदान को एक साझा करती है।

सीईडीएसए कॉन्क्लेव में व्यावहारिक चर्चा

आदर्श घासटा

थूलिनी विश्वविद्यालय ने सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन डायरेक्ट सेलिंग इन एकेडमिक्स (सीईडीएसए) द्वारा दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें व्यावहारिक चर्चाओं और महत्वपूर्ण सम्मानों की एक श्रृंखला शामिल थी।

इस आयोजन में देश भर के प्रमुख डायरेक्ट सेलिंग पेशेवरों ने भाग लिया, जिन्होंने पैनलिस्ट के रूप में योगदान दिया।

कॉन्क्लेव की शुरुआत चांसलर प्रो. पी.के. खोसला के संबोधन से हुई। उन्होंने उपभोक्ताओं को व्यावसायिक अवसर के साथ सशक्त बनाने की अनूठी विशेषता पर प्रकाश डालते हुए प्रत्यक्ष बिक्री के संयोजनों पर जोर दिया।

प्रो आशीष खोसला, निदेशक इनोवेशन और मार्केटिंग ने एक आकर्षक भाषण दिया, उन्होंने अपनी जीवन कहानी साझा की और सीखने की मानसिकता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने शूलिनी विश्वविद्यालय की स्थापना और शिक्षा में अधिक गुणवत्ता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के बारे में उत्साहपूर्वक बात की।

शूलिनी विश्वविद्यालय में सीईडीएसए के निदेशक प्रोफेसर कमल कांत वशिष्ठ ने प्रत्यक्ष बिक्री के लिए सामाजिक स्वीकृति प्राप्त करने में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

पहले पैनल चर्चा, ₹भारत में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के प्रमुख हितधारक और उनकी भूमिकाएँ,₹ में श्री कपिल शर्मा और मोहम्मद शामिल थे। जाकिर हुसैन, श्री केएम रफीक, श्री किशोर वर्मा और श्री राहुल शर्मा ने भी विचार रखे।पैनलिस्टों ने सरकार के नियमों और उद्योग में विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं पर चर्चा की।

दूसरे पैनल चर्चा में श्री कैलाश भट्टड़, श्री. शिव अरोड़ा, प्रोफेसर केएन वासु-पलिया, डॉ. विनोद निंबूदरी और सुश्री यामिनी शर्मा ने पेशे की धारणा और गरिमा को बढ़ाने पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

तीसरे पैनल चर्चा, ₹समसामयिक चुनौतियाँ, प्रस्तावित समाधान और आगे की राह₹ में डॉ. सुरेंद्र वत्स, श्री प्रांजल आर डेनियल, श्री नरसी ग्रेवाल, श्री राजीव गुप्ता, श्री वेद प्रकाश ओझा और श्री सुनील शर्मा शामिल थे।

कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत ₹भारत में डायरेक्ट सेलिंग उद्योग के वित्तीय समावेशन और आर्थिक प्रभाव₹ पर एक पैनल चर्चा के साथ हुई।

करियर को साकार करने के लिए कौशल, शिक्षा और सही रवैया जरूरी है'

गेस्ट कॉलम

सत्यजीत सिंह सेठी*

01 | पेशेवर विकास के अवसरों की तलाश करना और काम करने के नए तरीकों के लिए खुला रहना।

02 | तेजी से तकनीकी प्रगति और बदलती बाजार मांगों के कारण दुनिया पहले से कहीं अधिक गतिशील है।

कॉर्पोरेट यात्रा शुरू करने में किसी की आकांक्षाओं, कौशल और शैक्षिक पृष्ठभूमि के बीच एक रणनीतिक नीति आयाम शामिल होता है। यह आयाम महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह वह आधार बनाता है, जिस पर एक सफल करियर का निर्माण होता है। हालाँकि, यह केवल कौशल और शिक्षा ही नहीं है,जो सफलता निर्धारित करती है, बल्कि वह दृष्टिकोण और मानसिकता भी है जिसके साथ कोई व्यक्ति अपने करियर को आगे बढ़ाता है।

जबकि कौशल सिखाया जा सकता है, यह सही दृष्टिकोण और विकास मानसिकता से है,जो व्यक्तियों को अलग करती है। विकास मानसिकता, जैसा कि मनोवैज्ञानिक कैरोल ड्वेक द्वारा गढ़ा गया है, यह विश्वास है कि क्षमताओं और बुद्धिमत्ता को समर्पण और कड़ी मेहनत के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। यह मानसिकता महान उपलब्धि के लिए आवश्यक सीखने और लचीलेपन के प्रति प्रेम को बढ़ावा देती है।

कॉर्पोरेट जगत में, इसका मतलब नई चुनौतियों का सामना करने की इच्छा, निरंतर सुधार के प्रति प्रतिबद्धता और बदलती परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की क्षमता है। विकास की मानसिकता वाले व्यक्ति असफलताओं को दुर्गम बाधाओं के बजाय सीखने के अवसर के रूप में देखते हैं। उनमें फीडबैक लेने, बदलाव को अपनाने और कठिनाइयों का सामना करने की अधिक संभावना होती है।

किसी भी करियर में चीजें गलत हो सकती हैं, कोई इन स्थितियों को कैसे संभालता है, इससे रिश्ते बन या बिगड़ सकते हैं। सबसे मजबूत रिश्ते अक्सर उन संकटों से उभरते हैं जिन्हें अच्छी तरह से संभाला जाता है। जब चुनौतियाँ आती हैं, तो जो लोग समस्या-समाधान दृष्टिकोण और शांत व्यवहार के साथ स्थिति का सामना करते हैं, वे संभावित आपदाओं को विश्वास बनाने और नेतृत्व प्रदर्शित करने के अवसरों में बदल सकते हैं।

इन क्षणों में प्रभावी संचार, सहानुभूति और जवाबदेही महत्वपूर्ण हैं। गलतियों को स्वीकार करके, जिम्मेदारी लेकर और समाधान खोजने के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करके, व्यक्ति अपने पेशेवर रिश्तों को मजबूत कर सकते हैं और विश्वसनीयता और अखंडता के लिए प्रतिष्ठा बना सकते हैं।

तेजी से तकनीकी प्रगति और बदलती बाजार मांगों के कारण दुनिया पहले से कहीं अधिक गतिशील है। इस माहौल में, लचीलापन और काम पर कौशल बढ़ाने की इच्छा आवश्यक है। प्रासंगिक बने रहने के लिए आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता और करियर विकास के लिए सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

नियोक्ता उन कर्मचारियों को महत्व देते हैं, जो न केवल अपनी वर्तमान भूमिकाओं में कुशल हैं। बल्कि संगठन के विकसित होने के साथ-साथ बढ़ने और अनुकूलन करने की क्षमता भी प्रदर्शित करते हैं। इसका मतलब है - उद्योग के रुझानों से अवगत रहना। पेशेवर विकास के अवसरों की तलाश करना और काम करने के नए तरीकों के लिए खुला रहना।

किसी के कौशल और शैक्षिक पृष्ठभूमि के साथ आकांक्षाओं को संरेखित करने के लिए, कैरियर योजना के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है। इसमें शामिल है:

आत्म-मूल्यांकन: अपनी ताकत, कमजोरियों, रुचियों और मूल्यों को समझें। अपने दीर्घकालिक कैरियर लक्ष्यों पर विचार करें और वे आपके वर्तमान कौशल और शिक्षा के साथ कैसे मेल खाते हैं।

कौशल विकास: अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल की पहचान करें और उन्हें विकसित करने के अवसरों की तलाश करें। इसमें औपचारिक शिक्षा, नौकरी पर प्रशिक्षण, या स्व-निर्देशित शिक्षा शामिल हो सकती है।

नेटवर्किंग: सलाहकारों, साथियों और उद्योग के पेशेवरों का एक नेटवर्क बनाएं जो विकास के लिए मार्गदर्शन, सहायता और अवसर प्रदान कर सकें।

लचीलापन: जैसे-जैसे आप नए अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हैं, अपने करियर पथ को समायोजित करने के लिए तैयार रहें। लचीलापन आपको अप्रत्याशित अवसरों का लाभ उठाने और नौकरी बाजार में बदलावों को नेविगेट करने की अनुमति देता है।

लचीलापन: असफलताओं और चुनौतियों को शालीनता और दृढ़ संकल्प के साथ संभालने के लिए लचीलापन विकसित करें। गति बनाए रखने और दीर्घकालिक सफलता प्राप्त करने के लिए लचीलापन महत्वपूर्ण है।

अंत में, कॉर्पोरेट यात्रा एक गतिशील और विकासशील मार्ग है, जिसके लिए आकांक्षाओं, कौशल और शिक्षा के नए आयाम की आवश्यकता होती है। हालाँकि, यह सही दृष्टिकोण और विकास मानसिकता है, जो वास्तव में व्यक्तियों को अलग करती है। चुनौतियों को स्वीकार करके, मजबूत रिश्ते बनाकर, लचीले रहकर और निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध होकर, पेशेवर अपने करियर को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा सकते हैं और तेजी से बदलती दुनिया में अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त कर सकते हैं।

***(लेखक प्रबंधन विज्ञान संकाय में प्रैक्टिस के प्रोफेसर हैं)**

Shoolini University

THE World University Rankings 2023 | NO.1 PRIVATE UNIVERSITY IN INDIA

SMC School of Media and Communications

Where Creativity Meets Technology

Are you ready to step into the dynamic world of media and communications?
Do you dream of becoming a journalist, filmmaker, writer, a game designer, VFX artist, advertising or PR professional, or even a content creator ?

School of Media and Communications (SMC) at Shoolini University offers you the most immersive, hands-on experience in the latest media trends, technologies, and platforms to supercharge your career aspirations. You will engage in **real-world projects**, and get **top internships and placements** through our industry collaborations with Hindustan Times, The Indian Express, Radio Mirchi, TOI, CNN-IBN, News 18 and other media entities.

Real-World Media Experiences

Dive into the World of Journalism with The Shoolini Newsletter
Student reporters publish fortnightly Shoolini Newsletter, showcasing campus news. Students engage in various tasks like **story editing, page designing, photography, and printing** at the Indian Express press. Real-life reporting experience empowers students to act as professional journalists.

Take the Spotlight with Shoolini TV
Students are **trained as TV anchors and reporters** for weekly Shoolini Samvad (Hindi) and Shoolini TV (English). They gain hands-on experience in podcasting, video editing, graphic designing, and animation. Access to stote-of-the-art studio facilities enables students to produce complete news bulletins.

Captivate the Airwaves with Radio Shoolini
'Radio Shoolini' provides a platform for students to demonstrate their skills as **Radio Jockeys**. Students interview faculty members and campus guests, showcasing their communication abilities. General entertainment format allows students to engage in lively conversations and engage with listeners.

Mentored by Media Trailblazers

Nishtha Shukla Anand — ex-Reuters; Founder TechThirsty.com & Pen Pundit Media; Trustee & Director Shoolini University
Gurpreet Tathgur — AVP Non-Fiction Viacom 18
Tanvi Gandhi — Independent Producer; ex-YRF Phantom Films; Founder House of TeeGee Productions

Namit Sharma — Creator | Producer; CEO Dreamers & Doers Co.
Kunal Nandwani — Co-founder & CEO uTrade; Founder Chandigarh Angels Network
Misha Bajwa Chaudhary — News presenter, Actor; Ex- Aajtak India Today

Vipin Pubby — Veteran Journalist; Former Editor The Indian Express; Director School of Media and Communications

SMC Admissions Open 2024

BA Journalism and Mass Communication
BCA Gaming and Graphics
MA Journalism and Mass Communication
MBA in Communications Management
BAJMC with specialisation in PR/ Events Management/Advertising

BAJMC Scholarship — Bachelor of Journalism & Mass Communication — For Children Of Journalists — 50% Scholarship First Semester Tuition fee

Apply Now | SMC | Shoolini TV

SHOOLINI UNIVERSITY
Kasauli Hills, Himachal Pradesh
(90 mins from Chandigarh)

701 800 7000
www.shooliniuniversity.com

स्नातक कार्यक्रम पत्रकारिता है और जनसंचार माध्यमों की शुरुआत छह से सात साल पहले हुई थी

'देश को बेहतरीन मीडियाकर्मी देना हमारा मकसद'

आमने सामने

पवन कश्यप

प्रोफेसर विपिन पब्बी एक अनुभवी पत्रकार हैं, जिनके पास प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में लगभग 45 वर्षों का अनुभव है। करीब 18 साल तक इंडियन एक्सप्रेस के रेजिडेंट एडिटर रहने के बाद, वह शूलिनी यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशंस के निदेशक के रूप में शामिल हुए। यहां एक साक्षात्कार के अंश दिए गए हैं :

Q. पत्रकारिता में इतने लंबे कार्यकाल के बाद आपको अकादमिक क्षेत्र में जाने के लिए किसने प्रेरित किया?

मैं स्पष्ट कर दूं कि मैं एक पत्रकार बना हुआ हूं और टीवी और डिजिटल मीडिया शो में दिखाई देने के अलावा विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिए लिखना जारी रखता हूं। शिक्षाविदों के साथ मेरे जुड़ाव के मुद्दे पर आते हुए, मुझे लगता है कि यह एक स्वाभाविक प्रगति थी। मैं वर्षों से युवा पत्रकारों की भर्ती कर रहा था और सबसे बड़ी बाधाओं में से एक जूनियर स्तर पर प्रतिभा की उपलब्धता थी। ऐसा प्रतीत होता है कि विभिन्न मीडिया संस्थानों से परीक्षण और साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने वाले छात्रों को व्यावहारिक पत्रकारिता का बहुत कम ज्ञान था, हालांकि उनके पास अकादमिक ज्ञान था। इसलिए भावी पत्रकारों और मास मीडिया पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लेने का एक बड़ा कारण उद्योग की मांग को पूरा करना था।

Q. शूलिनी विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता और मीडिया पाठ्यक्रम कब शुरू किए और कौन से पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं?

स्नातक कार्यक्रम पत्रकारिता है और जनसंचार माध्यमों की शुरुआत छह से सात साल पहले हुई थी। यह तीन साल का कोर्स है जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल माध्यम सहित मीडिया के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं। इस वर्ष हमने पीआर, इवेंट मैनेजमेंट और विज्ञापन में विशेषज्ञता भी पेश की है। दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स 3/4 साल पहले लॉन्च किया गया था। हम छात्रों को उनकी पीएचडी करने के लिए भी नामांकित करते हैं।

01 | इस वर्ष हमने पीआर, इवेंट मैनेजमेंट और विज्ञापन में विशेषज्ञता भी पेश की है। दो साल का पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स 3/4 साल पहले लॉन्च किया गया था।

02 | हम छात्रों को उनकी पीएचडी करने के लिए भी नामांकित करते हैं। हम विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

Q. स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशंस की यूएसपी क्या है? यह अन्य मीडिया स्कूलों से किस प्रकार भिन्न है?

हमारा स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशंस एक अद्वितीय संस्थान के रूप में खड़ा है जहां मास मीडिया के व्यावहारिक पहलुओं पर बहुत जोर दिया जाता है। मास मीडिया के विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर छात्रों को पढ़ाते हैं और अपने विशिष्ट क्षेत्रों में अपने अनुभव का लाभ प्रदान करते हैं। लगभग 45 वर्षों के अनुभव वाले मेरे अलावा, हमारे पास जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार के क्षेत्र से लगभग समान अनुभव वाले एक संचार विशेषज्ञ चरणजीत सिंह है। इसी तरह हमारे पास एक प्रमुख रेडियो स्टेशन की पूर्व आरजे इंदू नेगी हैं जो रेडियो शूलिनी का नेतृत्व कर रही हैं और प्रमुख टीवी चैनलों में 15 वर्षों से अधिक के अनुभव वाले एक पेशेवर है जो छात्रों को व्यावहारिक सुझाव प्रदान करते है। साथ ही हम शिक्षाविदों की भी उपेक्षा नहीं करते हैं और हमारे पास मीडिया के विभिन्न पहलुओं को पढ़ाने में व्यापक अनुभव वाले संकाय सदस्य हैं। मुझे लगता है कि हम छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और ठोस शैक्षणिक ज्ञान का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करते हैं।

Q. आप छात्रों को व्यावहारिक पत्रकारिता कैसे पढ़ाते हैं क्योंकि आप किसी बड़े शहर से नहीं हैं?

हम विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, हम शूलिनी न्यूज़लेटर लाते हैं जो आठ कॉलम डिस्प्ले, संपादन, डिजाइनिंग और न्यूज़प्रिंट में उत्पादन के साथ एक सामान्य ब्रॉडशीट की नकल करता है जो परिसर के अलावा राज्य के कई हिस्सों में प्रसारित होता है। हमारे पास न्यूज़लेटर का एक हिंदी संस्करण भी है जिसे शूलिनी पत्रिका कहा जाता है। फिर हमारे पास साप्ताहिक यूट्यूब बुलेटिन हैं जिन्हें अंग्रेजी में शूलिनी टीवी बुलेटिन और हिंदी में शूलिनी संवाद कहा जाता है। बुलेटिन पिछले 216 सप्ताह से बिना किसी रुकावट के प्रकाशित किया जा रहा है, जबकि संवाद मंगलवार को निकलता है और इसके 180 से अधिक संस्करण बिना किसी रुकावट के जारी किए जा चुके हैं। जहां तक रेडियो कार्यक्रमों का सवाल है, हम दैनिक आधार पर कार्यक्रम तैयार करते हैं।

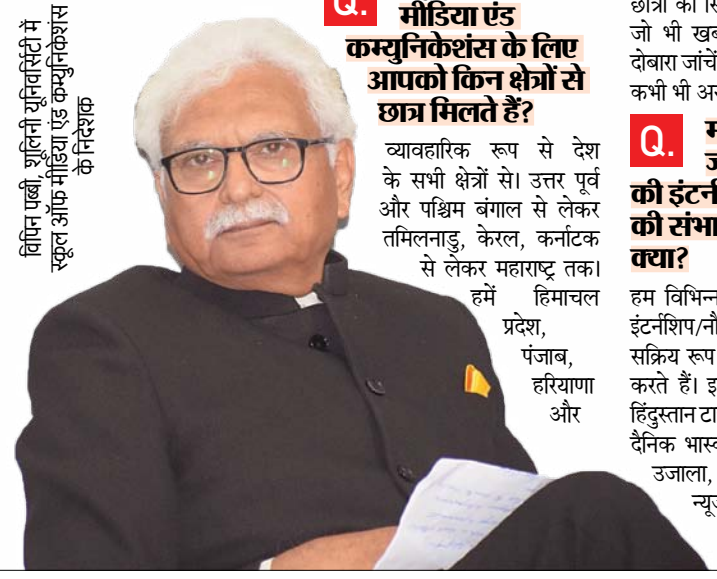
विपिन पब्बी, शूलिनी यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशंस के निदेशक

Q. स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशंस के लिए आपको किन क्षेत्रों से छात्र मिलते हैं?

व्यावहारिक रूप से देश के सभी क्षेत्रों से। उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक से लेकर महाराष्ट्र तक। हमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और जेके से भी बहुत सारे छात्र मिलते हैं। इस वर्ष हमारे नए बैच में एक विदेशी छात्र भी शामिल हो रहा है।

Q. आप छात्रों को फर्जी खबरों से बचने के बारे में कैसे सिखाते हैं?

सोशल मीडिया द्वारा उत्पन्न सबसे बड़े खतरों में से एक फर्जी खबरों का प्रसार है। कुछ लोग तथ्यों की जांच किए बिना खबरें डालते हैं जिससे झूठी अफवाहें फैलती हैं। इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं. नई तकनीक के आने से डीप फेक एक और खतरा है। इसलिए हम छात्रों को सिखाते हैं कि उनके सामने जो भी खबरें आती हैं, उन्हें जांचें, दोबारा जांचें और दोबारा जांचें, लेकिन कभी भी असत्यापित खबरें न डालें।

Q. मीडिया और जनसंचार के छात्रों की इंटर्नशिप या नौकरी की संभावनाओं के बारे में क्या?

हम विभिन्न मीडिया आउटलेट्स में इंटर्नशिप/नौकरियों के लिए छात्रों को सक्रिय रूप से सहायता और समर्थन करते हैं। इनमें द इंडियन एक्सप्रेस, हिंदुस्तान टाइम्स, टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, पंजाब केसरी, अमर उजाला, नवोदय टाइम्स, एबीपी न्यूज चैनल, इंडिया टीवी, आज तक, सीएनएन न्यूज18, न्यूज टीवी, पीटीसी आदि के अलावा कई प्रमुख डिजिटल मीडिया शामिल हैं। चैनल. हमारे कुछ पूर्व छात्र विश्वविद्यालय में ही पेशे की बारीकियां सीखकर बहुत अच्छा कर रहे हैं।

Q. पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के भविष्य में सबसे बड़ी चुनौतियाँ और रुझान क्या हैं?

आज की तेज़ रफ़्तार वाली दुनिया में, और जो आने वाले वर्षों में और भी तेज़ हो सकती है, त्वरित और सटीक समाचार प्रसार की मांग बढ़ रही होगी। सोशल मीडिया और लाखों 'समाचार चैनलों' या असत्यापित सोशल मीडिया पोस्ट के आगमन के साथ, विश्वसनीय समाचार स्रोतों की मांग अधिक से अधिक होगी। यहीं पर प्रशिक्षित मीडिया पेशेवरों की बहुत अधिक मांग होगी जो समाचार प्रसार में तेजी और सटीकता लाएंगे। इसके अलावा, भविष्य में, विशेषज्ञता के साथ डिजिटल मीडिया में चर्चा का विषय बनने की और अधिक संभावनाएं होना निश्चित है। इसी तरह, वीडियो संपादन, विशेष प्रयास और फिल्म निर्माण में विशेषज्ञता वाले लोगों के अलावा जनसंपर्क, कॉर्पोरेट संचार, इवेंट मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में मीडिया पेशेवरों की बहुत मांग होगी। भावी मीडिया पेशेवरों के लिए सफलता की कुंजी सही दृष्टिकोण और कौशल वाला एक सर्वांगीण व्यक्तित्व होगा।

शूलिनी से पहले और अब... फर्क ज़मीन-आसमान का

स्मरण

साकेत सौरभ

अगर आपने मुझसे तब कहा होता, जब मैं अपने गृहनगर की धूल भरी सड़क पर खड़ी कार में बैठकर ऑनलाइन कक्षाएं ले रहा था, कि मैं यहाँ खड़ा होऊंगा – आत्मविश्वासी, अपने बैच का टॉपर और सोने के पदक के साथ – तो मैं आपको कभी विश्वास नहीं करता। लॉकडाउन के शुरुआती चरण में ऑनलाइन कक्षाएं लेते समय, मैं जीवंत परिसर जीवन, व्यस्त कक्षाओं और उस खुशी की लालसा कर रहा था जो मैंने अपनी पढ़ाई के लिए 5 साल का ब्रेक लेने के बाद खो दी थी। मैंने खुद से वादा किया था कि जब सामान्य स्थिति वापस आएगी, तो मैं इसका पूरा आनंद लूंगा। मुझे नहीं पता था कि शूलिनी यूनिवर्सिटी ने मेरे लिए इससे भी बड़े प्लान बनाए थे। ऑनलाइन कक्षाओं ने मेरी शैक्षणिक सफलता की नींव रखी। समर्पित संकाय सदस्यों ने अपने स्पष्ट स्पष्टीकरण और इंटरैक्टिव सत्रों के साथ एक सहज सीखने का अनुभव सुनिश्चित किया। लेकिन शूलिनी सिर्फ शैक्षणिक अनुभव नहीं है। यह परिवर्तन के बारे में है।

पीछे मुड़कर देखने पर, मुझे वह शर्मीला, संकोची लड़का याद आता है जो पहले दिन इन गेट्स के अंदर आया था।

सार्वजनिक बोलना? अकल्पनीय। समूह परियोजनाओं में नेतृत्व करना? बिल्कुल डरावना। फिर भी, शूलिनी ने मुझे खिलने का सही माहौल प्रदान किया। वाईडब्ल्यूसी, आईएएमडी और हीलिंग हिमालयाज जैसी संस्थाओं के साथ स्वयंसेवा करना एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गया। इन अनुभवों ने, टीम वर्क, सहानुभूति और करुणा से भरे, मेरी झिझक को दूर किया।

मेरा शूलिनी का सफर परिसर की घटनाओं तक सीमित नहीं था। डीएसडब्ल्यू कार्यालय में एक इंटर्न के रूप में काम करना, जहाँ मैं अंततः सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाला इंटर्न बन गया, ने मेरी संगठनात्मक क्षमताओं को निखारा। शैक्षणिक और इंटर्नशिप जिम्मेदारियों को संतुलित करना शुरू में कठिन लगा, लेकिन मेरे मेंटर्स के समर्थन और मार्गदर्शन ने मुझे समय प्रबंधन कौशल और एक मजबूत कार्य नैतिकता विकसित करने में मदद की। और अंत में, परिसर में आखिरी दिन का वह खट्टा-मीठा पल। परिचित लेकिन जल्द ही दूर होने वाली इमारतों के बीच खड़े होकर, भावनाओं की लहर मुझ पर छा गई।

फर्स्ट पर्सन

अहाना नाथ*

नए विचारों के इनक्यूबेटर का काम करती हैं शूलिनी की क्लासिस

बेहद भीड़-भाड़ वाले शहर में पली-बढ़ी मेरी जैसी लड़की के लिए पहाड़ियों में रहना हमेशा एक सपना रहा है, जहां मैं सदाबहार प्रकृति की शांति और शांति का आनंद ले सकूं। रजॉय का शहर या कोलकाता, जहां मैंने अपने जीवन के 21 साल एक अराजक और धूल भरे मेगालोपॉलिटन के बीच बिताए, शूलिनी विश्वविद्यालय में आना एक चिकित्सीय अनुभव था।

सुरम्य कसौली पहाड़ियों में बसे शूलिनी विश्वविद्यालय के मनमोहक परिदृश्य में, जीवन सादगी और प्रतिभा से चित्रित एक उत्कृष्ट कृति के रूप में कार्य करता है। यहां, हर पल किसी के शैक्षणिक अन्वेषण और व्यक्तिगत विकास के कैनवास पर एक बेहतरीन ब्रशस्ट्रोक की तरह है।

शूलिनी एक जीवंत कलाकृति है, जहां छात्र कलाकार और कला दोनों हैं, जो सुंदर एजेंडा के माध्यम से अपने स्वयं के आख्यानों को आकार देते हैं।

परिसर विभिन्न लोगों और गतिविधियों से गुलजार रहता है, जैसे हिमालय में सूर्यास्त के रंग विविध हैं। पाइन कोर्ट में पेड़ों के नीचे आकस्मिक जाम सत्र से लेकर आरामदायक कोनों में अत्यधिक उत्साही बहस तक।

हमारी शैक्षणिक शिक्षाशास्त्र वास्तव में अद्वितीय और खूबसूरती से इस तरह से डिजाइन किए गए हैं जहां एक छात्र अपनी सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए भी आसानी से समय निकाल सकता है। यह मेरे लिए अतिरिक्त लाभ है क्योंकि मैं प्रशिक्षित गायक और लेखक हूं। हमारी कक्षाएँ केवल व्याख्यान देने की जगह नहीं हैं, बल्कि नए विचारों के इनक्यूबेटर भी हैं। हमारे प्रोफेसर सिर्फ शिक्षकों से कहीं अधिक हैं, वे मार्गदर्शक हैं जो छात्रों को ज्ञान के विशाल महासागर के माध्यम से मार्गदर्शन करते हैं, प्रत्येक कक्षा को सीखने की एक जीवंत कला में बदल देते हैं।

इस पूरे विश्वविद्यालय में मेरा पसंदीदा कोना शूलिनी की लाइब्रेरी है। सीखने के अभियान पर जाते समय कौन प्रकृति को साक्षी के रूप में नहीं रखना चाहेगा। शूलिनी की योगानंद लाइब्रेरी केवल किताबों का एक संग्रह नहीं है, क्योंकि यह मुझे एक खजाने का एहसास कराती है, जहां सादगी और गहराई छात्रों को उनकी असाधारण बौद्धिक यात्रा पर चलने के लिए आमंत्रित करती है।

जैसे ही दिन रात में बदलता है, परिसर असाधारणता से जीवंत हो उठता है। साझा अनुभवों के तमाशे के रूप में शामें निश्चित रूप से आकर्षक होती हैं। त्यौहार और कार्यक्रम कोई नियमित घटनाएँ नहीं हैं। यहां आने के बाद मैंने खुद को एक बिल्कुल अलग दृष्टिकोण से पाया है क्योंकि शूलिनी के लोगों ने मुझे प्यार, करुणा और प्रशंसा प्रदान की है।

शूलिनी की इस भव्य सिम्फनी में, मेरे लिए जीवन एक संगीतमय यात्रा है जहां सीखने की सादगी और मानवीय संबंधों की गहराई एक गूंजती धुन पैदा करती है जो पहाड़ियों से गूंजती है। इसलिए मैं शूलिनी में सभी नए छात्रों का दिल से स्वागत करूंगी।

***(लेखिका पत्रकारिता में एमए की तीसरे सेमेस्टर की छात्रा हैं। फर्स्ट पर्सन अकाउंट उनके ब्लॉग से लिया गया है: https://theartistejournal.blogspot.com/2023/11/city-to-hills-life-in-shoolini.html**

नीट पेपर लीक मामले पर छात्र नाराज़

स्पीक आऊट

नीट पेपर लीक मामले को लेकर पूरे देश में बहस का माहौल बना हुआ है , छात्र परीक्षाओं को सर्वहित समान और न्यायपूर्ण रखने के साथ-साथ चयन विधियों को भी पारदर्शी रखने की मांग कर रहे हैं। पेश है **स्वर्णिम सुप्रकाश** के इंटरव्यू के अंश –

नीट 2024 पेपर लीक ने परीक्षा और प्रवेश प्रक्रियाओं में व्यापक सुधार की मांग को भी प्रज्वलित कर दिया है। कुछ हितधारकों का मानना है कि वर्तमान प्रणाली, जो एकल परीक्षा पर अत्यधिक दबाव डालती है, दोषपूर्ण है और इस तरह के उल्लंघनों के लिए असुरक्षित है। वे छात्र मूल्यांकन के लिए एक अधिक समग्र दृष्टिकोण की वकालत करते हैं, जिसमें निरंतर मूल्यांकन और मानकीकृत परीक्षणों से परे विविध मानदंड शामिल हैं। इस दृष्टिकोण का सुझाव है कि मूल्यांकन विधियों में विविधता लाने से एकल परीक्षा से जुड़े जोखिम को कम किया जा सकता है, जिससे कदाचार की प्रवृत्ति भी घट सकती है। इसके अतिरिक्त, सुधार के समर्थक भविष्य की परीक्षाओं की अखंडता की रक्षा के लिए तकनीकी प्रगति और मजबूत निगरानी प्रणाली का आग्रह करते है।

धर्म राज , बी.फार्म

नीट 2024 पेपर लीक ने छात्रों, माता-पिता और शिक्षकों के बीच व्यापक चिंता और आलोचना को जन्म दिया है। कई लोग तर्क देते हैं कि इस तरह की घटनाएं परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और उन हजारों छात्रों की कड़ी मेहनत को कमजोर करती हैं जो इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करते हैं। यह उल्लंघन न केवल चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करता है बल्कि परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं पर से विश्वास को भी हिला देता है। आलोचक भविष्य में ऐसे लीक को रोकने के लिए कड़े उपायों की मांग कर रहे हैं, जिसमें उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्यवाही शामिल है। वे इस बात पर जोर देते हैं कि सार्वजनिक विश्वास को बनाए रखने के लिए परीक्षा प्रक्रिया में अखंडता और पारदर्शिता को बहाल करना महत्वपूर्ण है।

सूर्या ठाकुर , बीए.एलएलबी

नीट 2024 पेपर लीक के बाद, मैं इस घटना को शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जिम्मेदारी बढ़ाने के लिए एक अवसर के रूप में देख रहा हूँ। मेरा मानना है कि यह घटना उन कमियों को उजागर करती है जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है और सुधार की दिशा में कदम उठाने का अवसर प्रदान करती है। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि इस लीक के परिणामस्वरूप अधिक जागरूकता और सतर्कता आई है, जो अंततः परीक्षा प्रक्रिया को अधिक मजबूत और विश्वसनीय बना सकती है। वे तर्क देते हैं कि सुधारात्मक उपायों के साथ-साथ, एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आयोग का गठन किया जाना चाहिए जो इस लीक की जड़ तक पहुंचे और भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए ठोस सिफारिशें दे।

नंदनी , बी.बी.ए

मेरी राय में है यह पेपर लीक दिखता है कि कैसे योग्य उम्मेदवारों को निष्पक्ष प्रक्रिया में भाग लेने के अवसर से रोका गया। कई सवाल पूछने के बाद भी, उन्हें यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को बहाने के अलावा कुछ नहीं मिलता है | अधिकारियों ने विभिन्न माध्यमों से हेरफेर पर लीपा-पोति करने की कोशिश की जो कि छात्रों के लिए और भी दुखद है। भारत में युवा इन परीक्षाओं के लिए बहुत ही मेहनत करते हैं और वह बहुत ही तनाव में रहते हैं चाहे समाज से हो , माता-पिता से हो या मानसिक तनाव हो लेकिन अधिकारियों की ओर से प्रबंधन में गंभीरता की कमी और भ्रष्टाचार को देखकर दु :ख होता है।

श्रुति कुमारी , बी.बी.ए

नीट परीक्षा लीक घोटाला भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक गंभीर मुद्दा बन गया है। ये घटनाएँ परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठाती हैं। लीक हुए प्रश्नपत्र छात्रों के बीच असमानता पैदा करते हैं और मेहनती छात्रों के भविष्य को प्रभावित करते हैं। इस तरह के घोटालों से निपटने के लिए सख्त निगरानी और सख्त कानूनों की आवश्यकता है ताकि परीक्षा की शुचिता बनी रहे और योग्य उम्मीदवारों को न्याय मिल सके। सरकार और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं को इस पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है।

ख़ुशी शर्मा , बी.बी.ए

नीट पेपर लीक पर मेरी राय है कि इस पेपर लीक घोटाले की निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए और दोषियों को कड़े से कड़ा दंड मिलना चाहिए। मेरे विचार में इस प्रकार के घोटाले और पेपर लीक्स लाखों-लाख मेधावी और महनती छात्रों के जीवन के साथ अन्याय है और साथ ही साथ टेस्टिंग एजेंसी के प्रबंधन पर सवालिया निशान लगाते हैं जो भारत के भविष्य यानी उन योग्य परीक्षार्थीओं के लिए निराशा का कारण हैं। पेपर लीक माफ़ियाओं के ख़िलाफ़ नए और कठोर क़ानून की आवश्यकता है जिससे छात्र राहत की साँस ले सकें।

भरत बिड़ला , बी.बी.ए

SILB | Shoolini Institute of Life Sciences & Business Management

APPROVED BY AICTE
AFFILIATED TO HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY, SHIMLA
NAAC ACCREDITED 'A' GRADE

WE BELIEVE IN EXCELLENCE

20 GOLD MEDALLISTS

250+ MERIT POSITIONS

COURSES OFFERED

BBA
BCA
BSc(Hons)
Biotechnology
Microbiology
MSc
Botany | Chemistry | Biotech | Microbiology

ADMISSIONS OPEN 2024

98161-44405, 98161-44406

SILB, The Mall Solan | www.silb.org

Shoolini University

STUDY AT NO.1 PRIVATE UNIVERSITY IN INDIA

Ranked By Both Top Global Rankings

THE World University Rankings 2024 | QS WORLD UNIVERSITY RANKINGS 2024

PROF PK KHOSLA
FOUNDER & CHANCELLOR
Post Doc, Oxford University

1 PRIVATE UNIVERSITY IN INDIA (THE World University Rankings 2024)	1 PRIVATE UNIVERSITY IN INDIA (QS World University Rankings 2024)	73 UNIVERSITY IN INDIA NIRF INDIA RANKINGS 2023 (nirf, Ministry of Education)	1 UNIVERSITY IN INDIA FOR INTERNATIONAL OUTLOOK (THE World University Rankings 2024)	1 UNIVERSITY IN INDIA IN ENGINEERING (THE World University Rankings 2024 BY SUBJECT)

WORLD-CLASS FACULTY

Shoolini boasts faculty from world's Top 1% organizations like **McKinsey, PwC, HSBC, Citi IBM, Microsoft,** and illustrious institutions like **IIT, IIM, ISB, IISc, Oxford, Stanford, Cambridge, UC Berkeley,** and more.

TOP PLACEMENTS

Deloitte.	accenture	KPMG	hp	Nestlé	Mercer	Abbott
Bank of America	American Express	Hindustan Unilever Limited	genpact	ICICI Bank	adani	Piramal

ADMISSIONS OPEN 2024

150+ FUTURE-READY PROGRAMS

BTECH CSE
Artificial Intelligence and Machine Learning
in collaboration with IBM
Cloud Computing
in collaboration with AWS
Cyber Security
in collaboration with IBM

COMPUTER SCIENCE
BCA | MCA | MTech | PhD

ENGINEERING
BTech Civil (AI and Geoinformatics)

BIOINFORMATICS
BTech

SUMMIT RESEARCH PROGRAM
BTech | BSc

MBA
Marketing
(Digital Marketing, Brand Management & Retail)
Finance
(FinTech, Venture Capital, BFSI, Financial Derivatives)
Human Resources
Pharma and Healthcare
Business Analytics

JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
BAJMC | MA | PhD

DESIGN
B Design | PhD

HOTEL MANAGEMENT
BSc

LAW
BA LLB | LLB | LLM | PhD

BIOTECH / FOOD TECH
BTech | MTech | BSc | MSc | PhD

MICROBIOLOGY
BSc | MSc | PhD

PHARMACEUTICAL SCIENCES
BPharm | MPharm | PhD

NUTRITION & DIETETICS
BSc | MSc

SCIENCES / AGRICULTURE
BSc | MSc | PhD

LIBERAL ARTS
BA | MA | PhD

PSYCHOLOGY
BSc | BA | MA | PhD

SCAN TO APPLY

SHOOLINI UNIVERSITY
Solan-Oachghat-Kumarhatti Highway, Bajhol,
Solan, Himachal Pradesh 173229, India.

701 800 7000
www.shooliniuniversity.com

स्कूल ऑफ़ जर्नलिज़्म एंड न्यू मीडिया, शूलिनी विश्वविद्यालय, कसौली हिल्स, सोलन द्वारा विपिन पब्बी, पूर्व रेजिडेंट एडिटर, द इंडियन एक्सप्रेस के मार्गदर्शन में प्रकाशित। संकाय संपादकः प्रो पार्थ शर्मा।
प्रमुख अनुवादकः डॉ. प्रकाश चंद। छात्र संपादकः स्वर्णिम सुप्रकाश, साक्षी कुमारी। पृथ्वी डिजिटेक प्रा. लिमिटेड, प्लॉट नंबर सी164-165 औद्योगिक क्षेत्र, चरण 8बी, मोहाली - 160071।